तीन खुशमिज़ाज़ शिकारी

सुसान जेफ़र्स

तीन खुशमिज़ाज़ शिकारी

सुसान जेफ़र्स
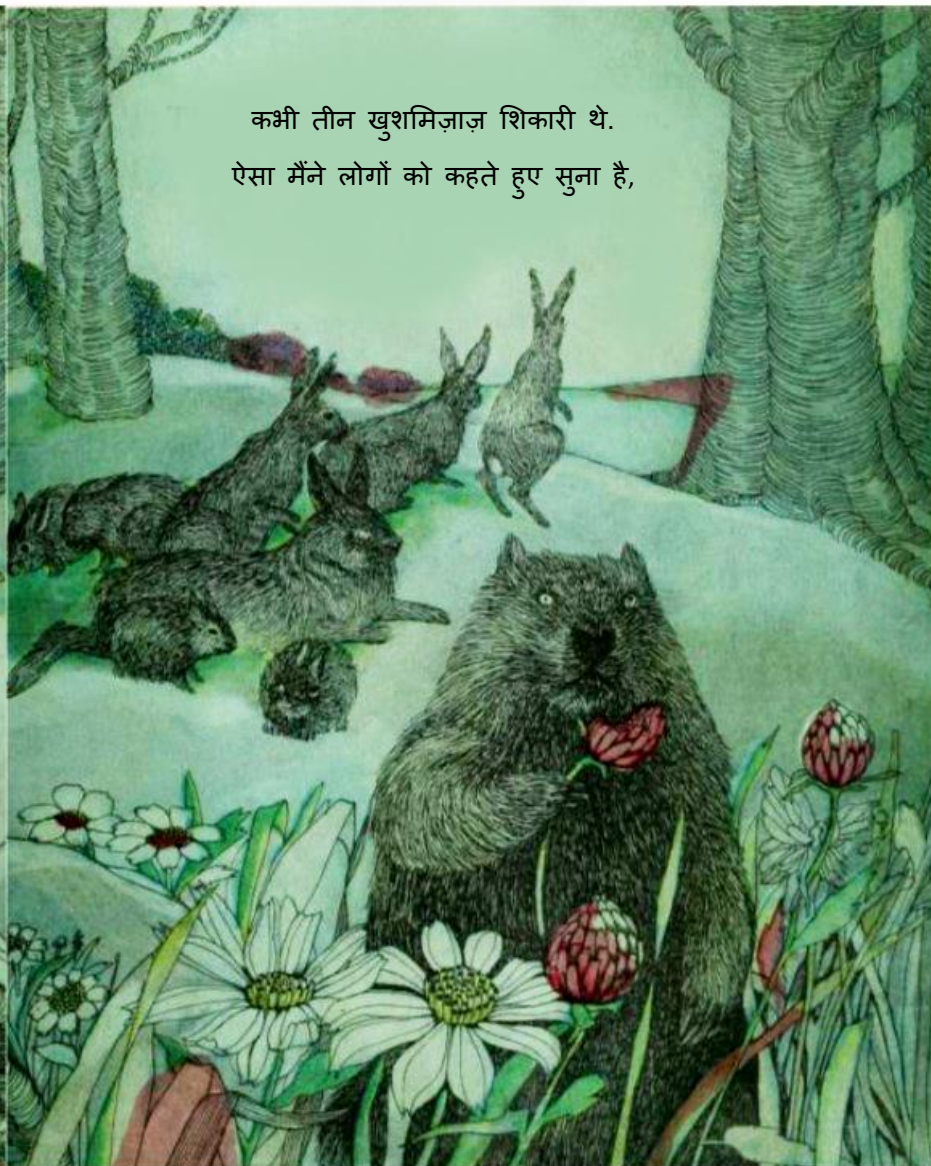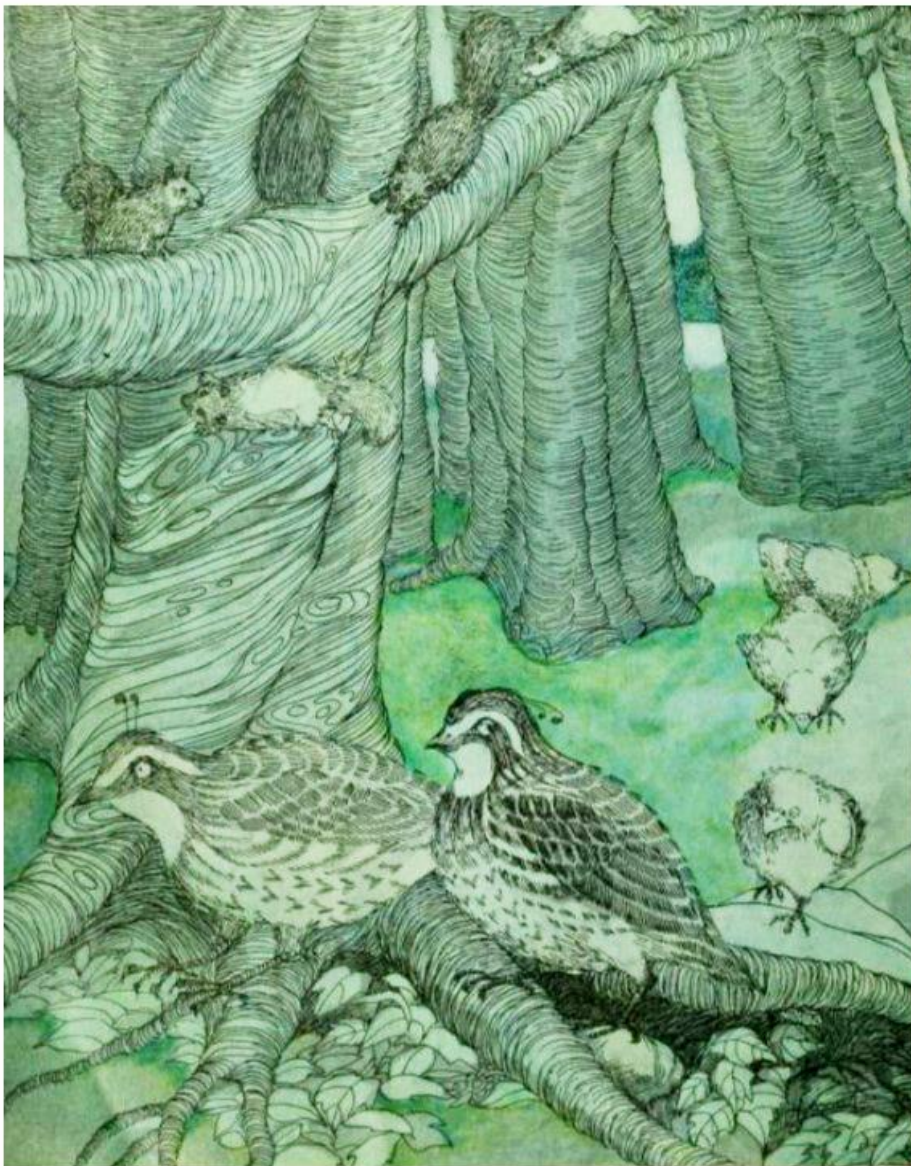
कभी तीन खुशमिज़ाज़ शिकारी थे.
ऐसा मैंने लोगों को कहते हुए सुना है,
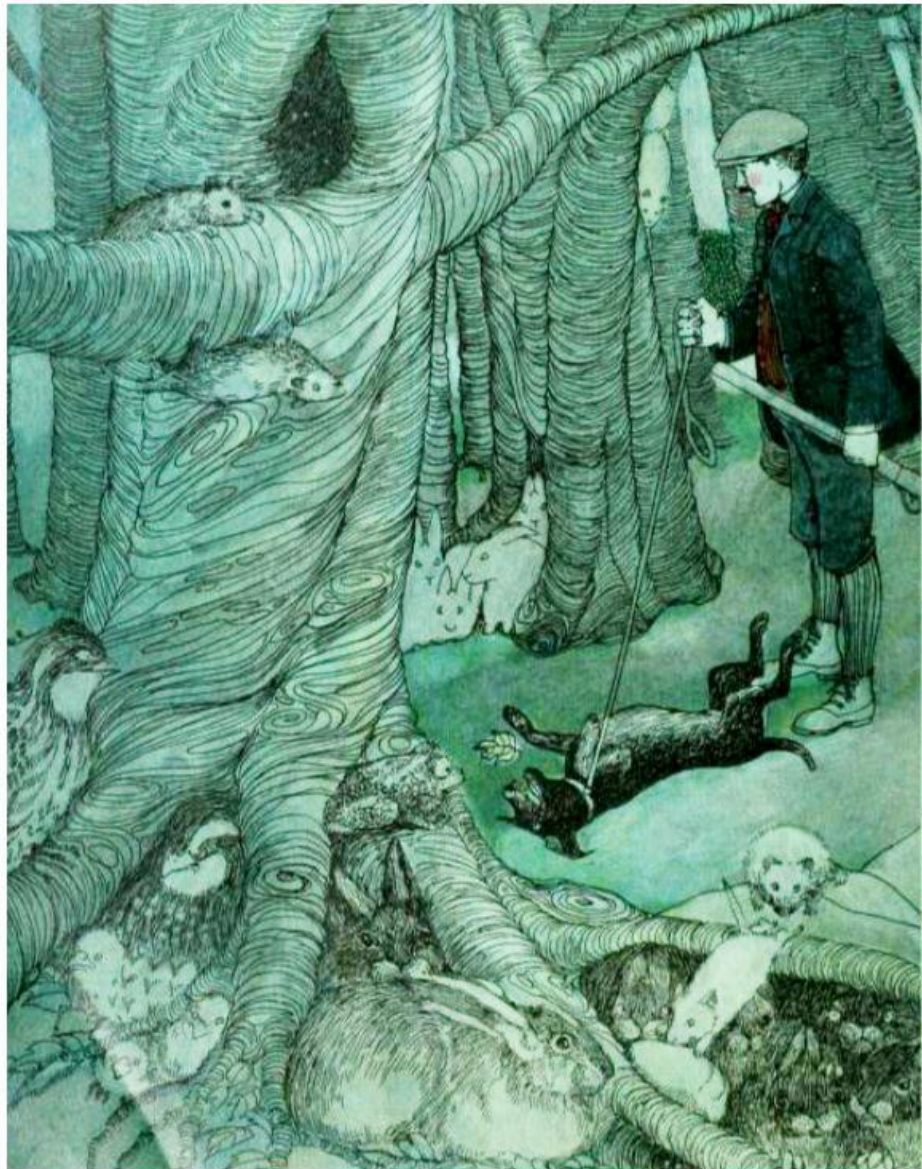
वे शिकार करने निकले

सेंट डेविड वाले दिन.

वे सारा दिन वे शिकार करते रहे.

लेकिन उन्हें कुछ भी नहीं मिला,
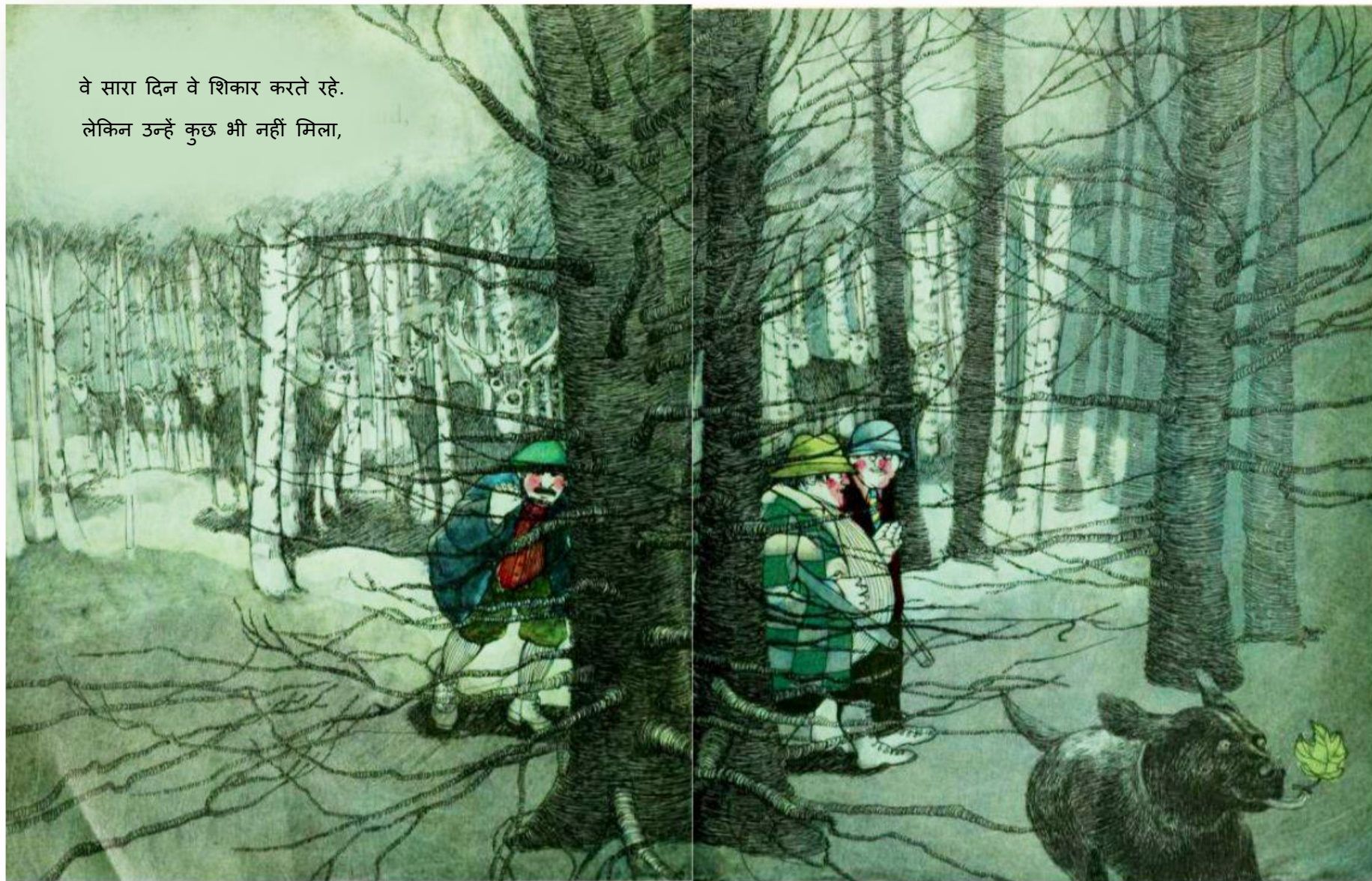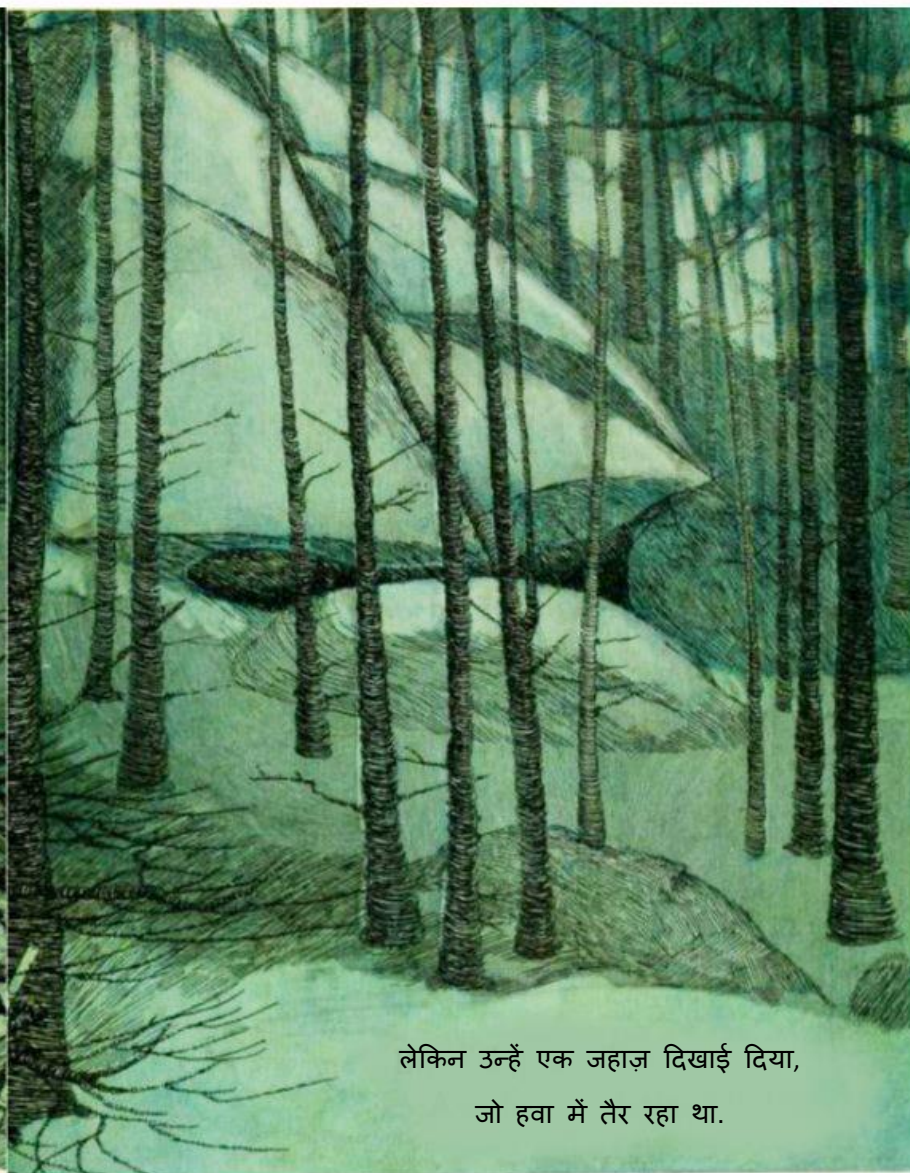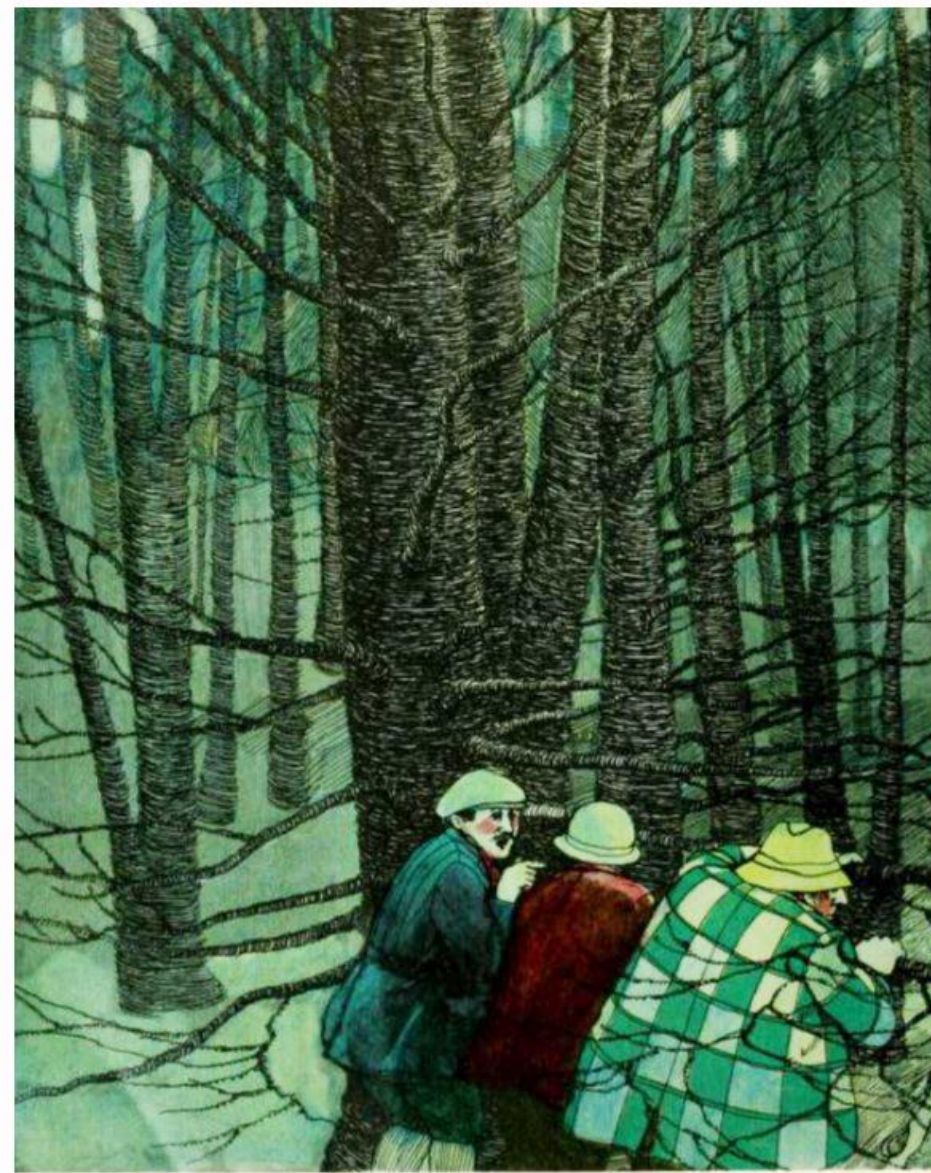
लेकिन उन्हें एक जहाज़ दिखाई दिया,

जो हवा में तैर रहा था.

उनमें एक को वो एक जहाज़ लगा.
लेकिन दूसरे ने कहा, नहीं,
तीसरे ने कहा कि वो एक घर था
जिसकी चिमनी उड़ गई थी.
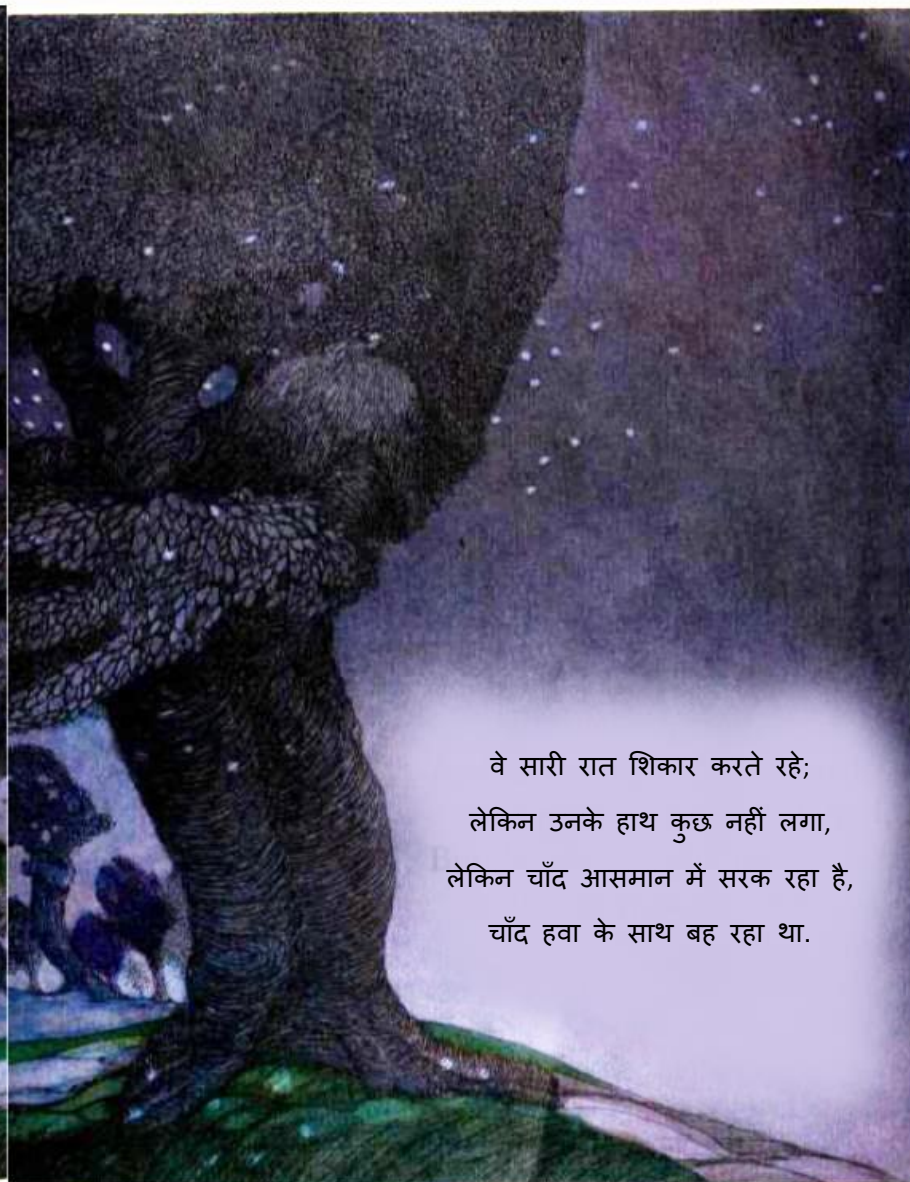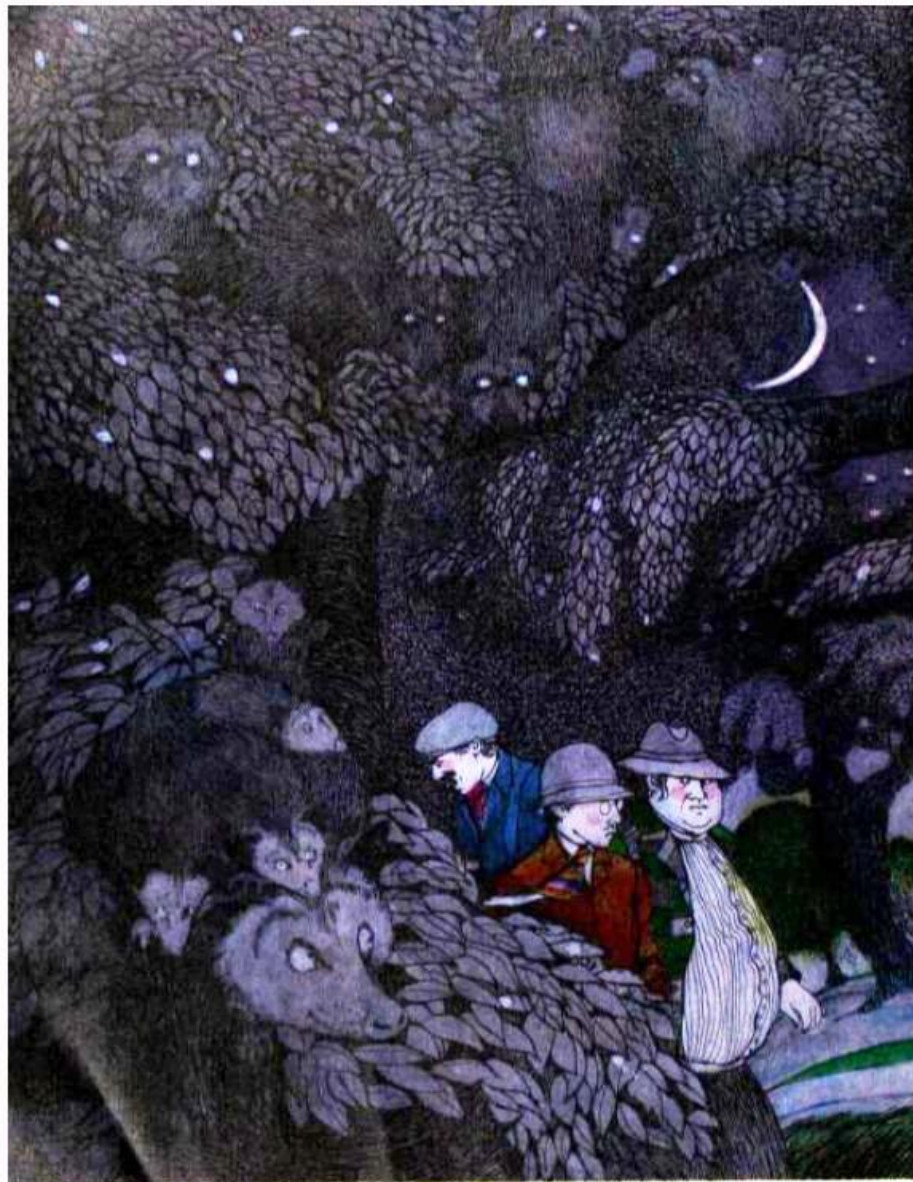
वे सारी रात शिकार करते रहे;

लेकिन उनके हाथ कुछ नहीं लगा,

लेकिन चाँद आसमान में सरक रहा है,

चाँद हवा के साथ बह रहा था.

एक ने कहा कि वो चाँद था.
लेकिन दूसरे ने कहा, नहीं.
तीसरे ने कहा कि वो गोल पनीर था
जिसे आधे में काटा गया था.
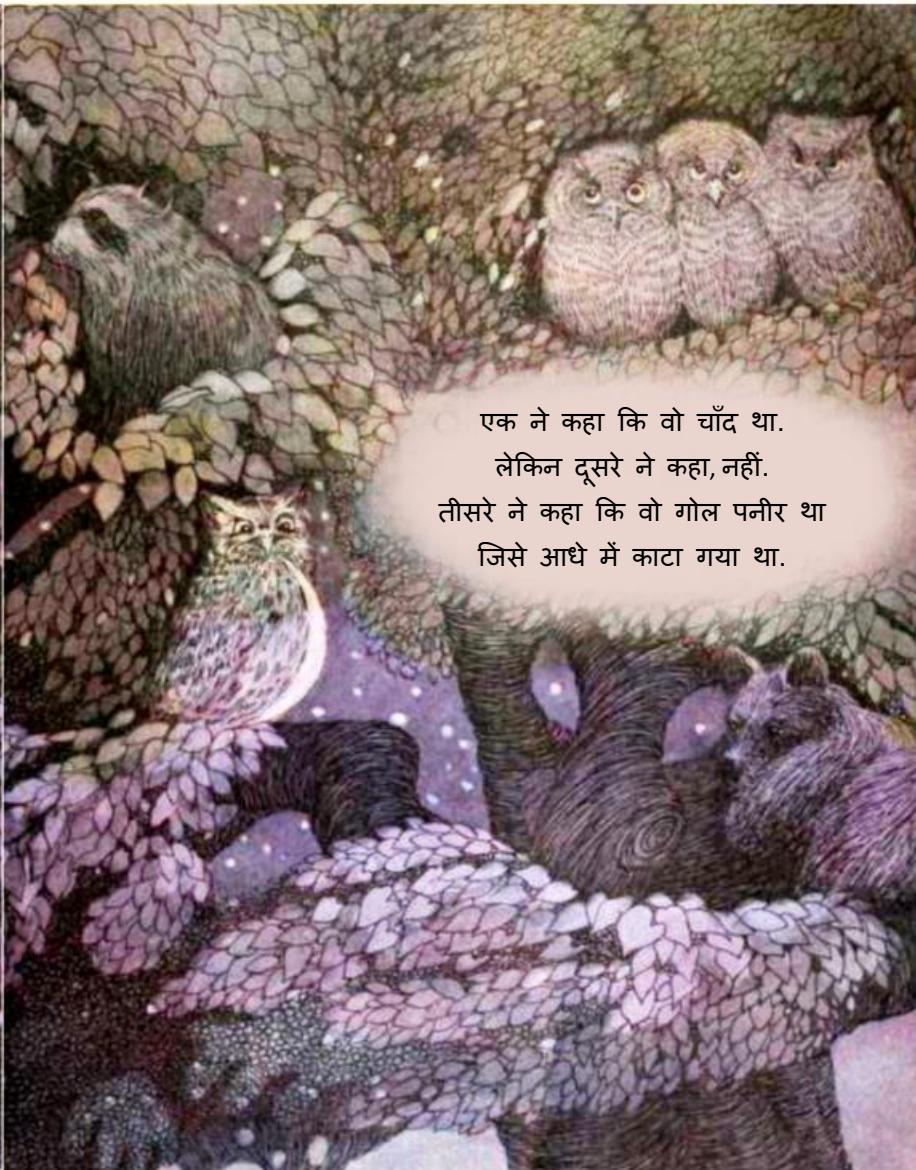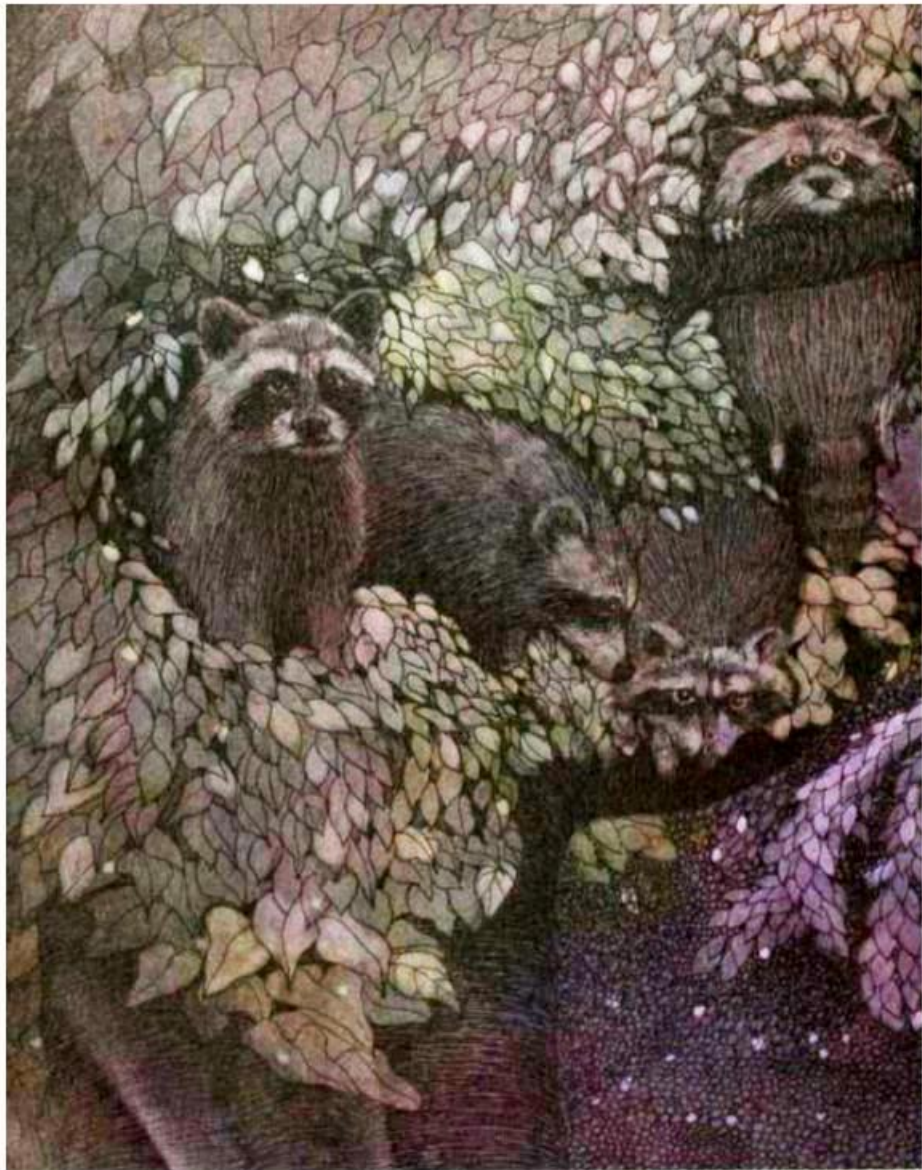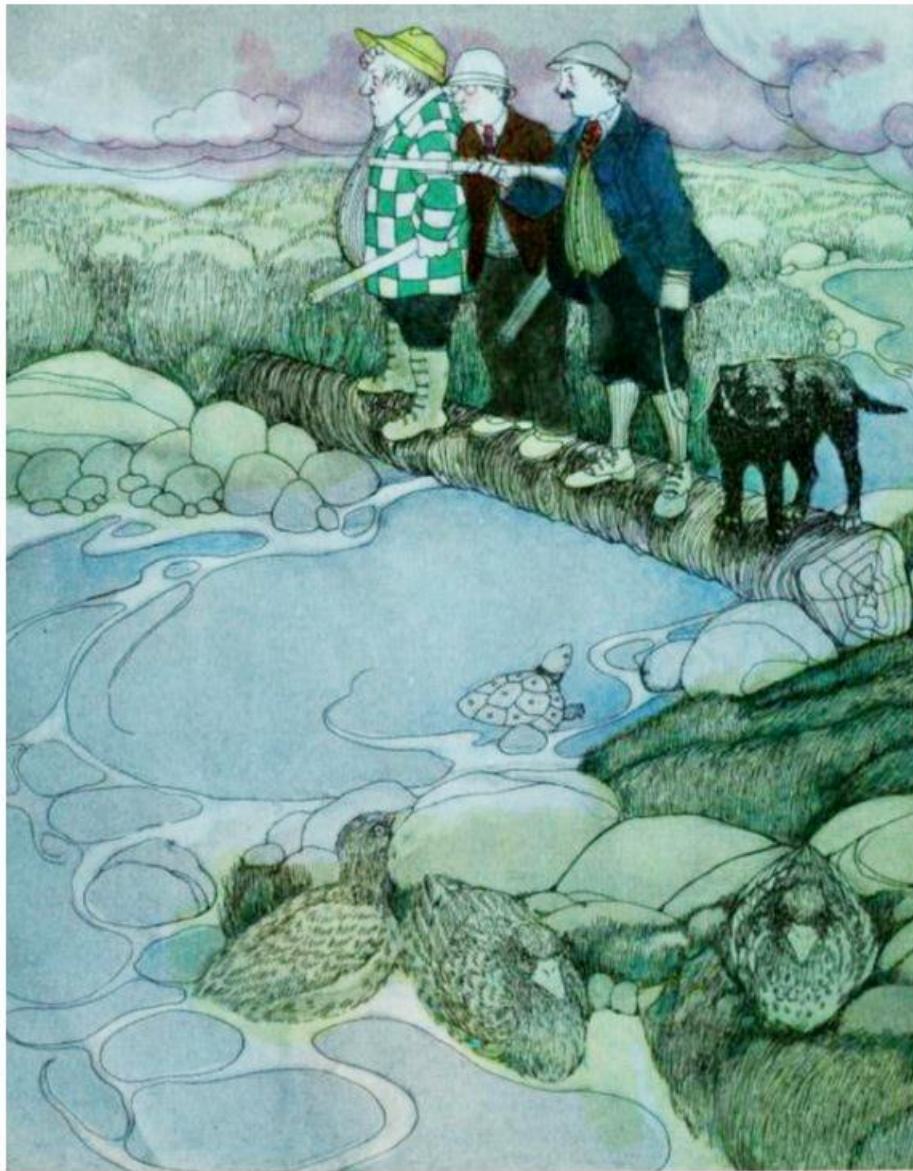
फिर वे सारा दिन वे शिकार करते रहे,

लेकिन उन्हें कुछ भी नहीं मिला.

सिर्फ झाड़ी में एक कांटो वाली साही मिली,
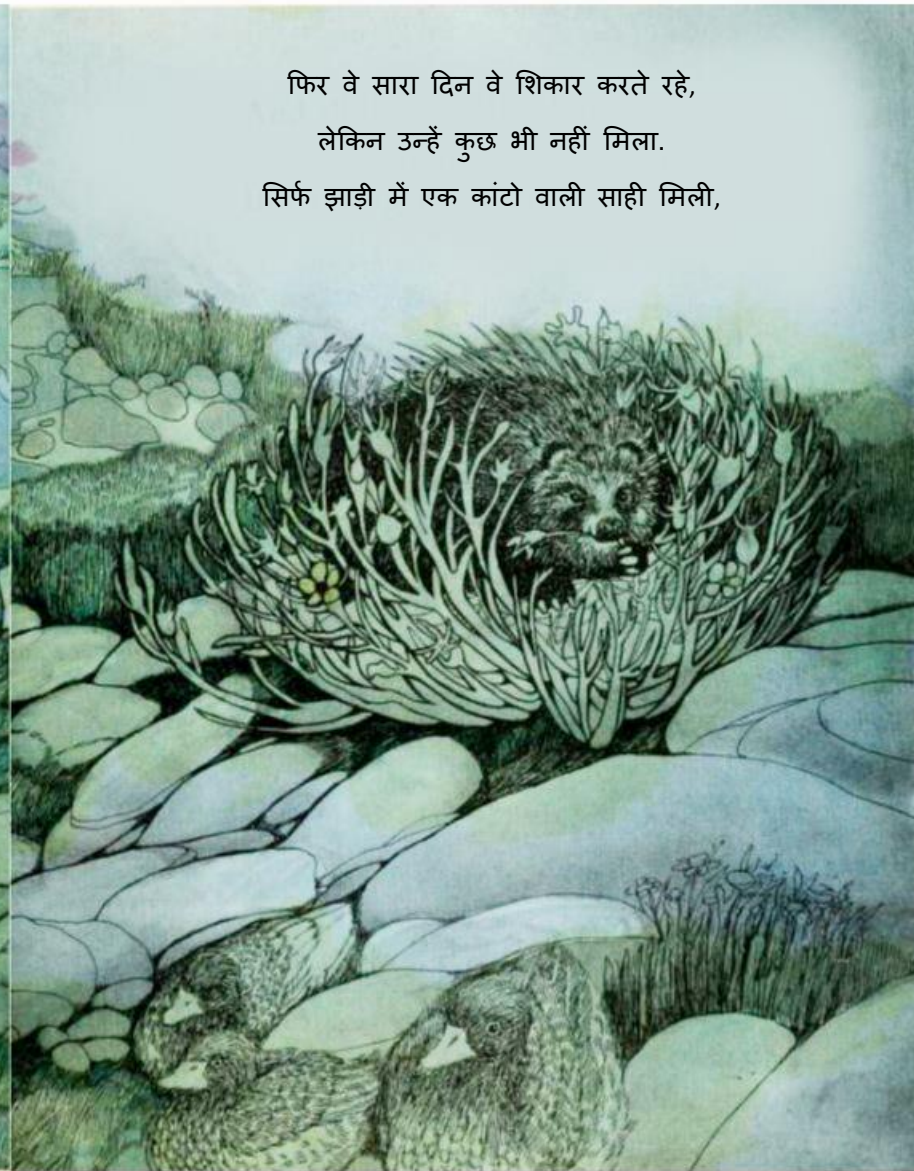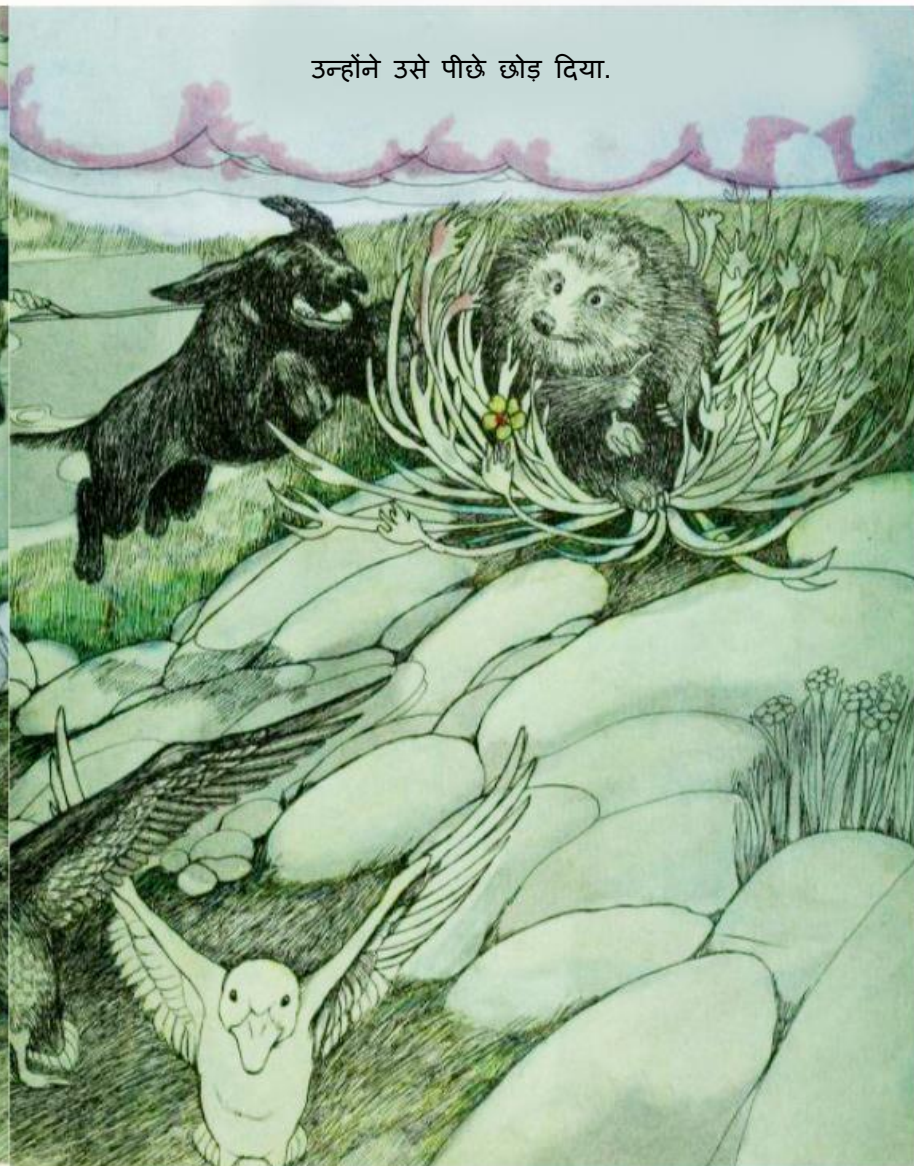
उन्होंने उसे पीछे छोड़ दिया.

पहले ने कहा कि वो एक साही थी,

लेकिन दूसरे ने कहा, नहीं,

तीसरे ने कहा कि वो एक पिनकुशन था

जिसमें पिनों को गलत तरीके से धँसाया गया था.
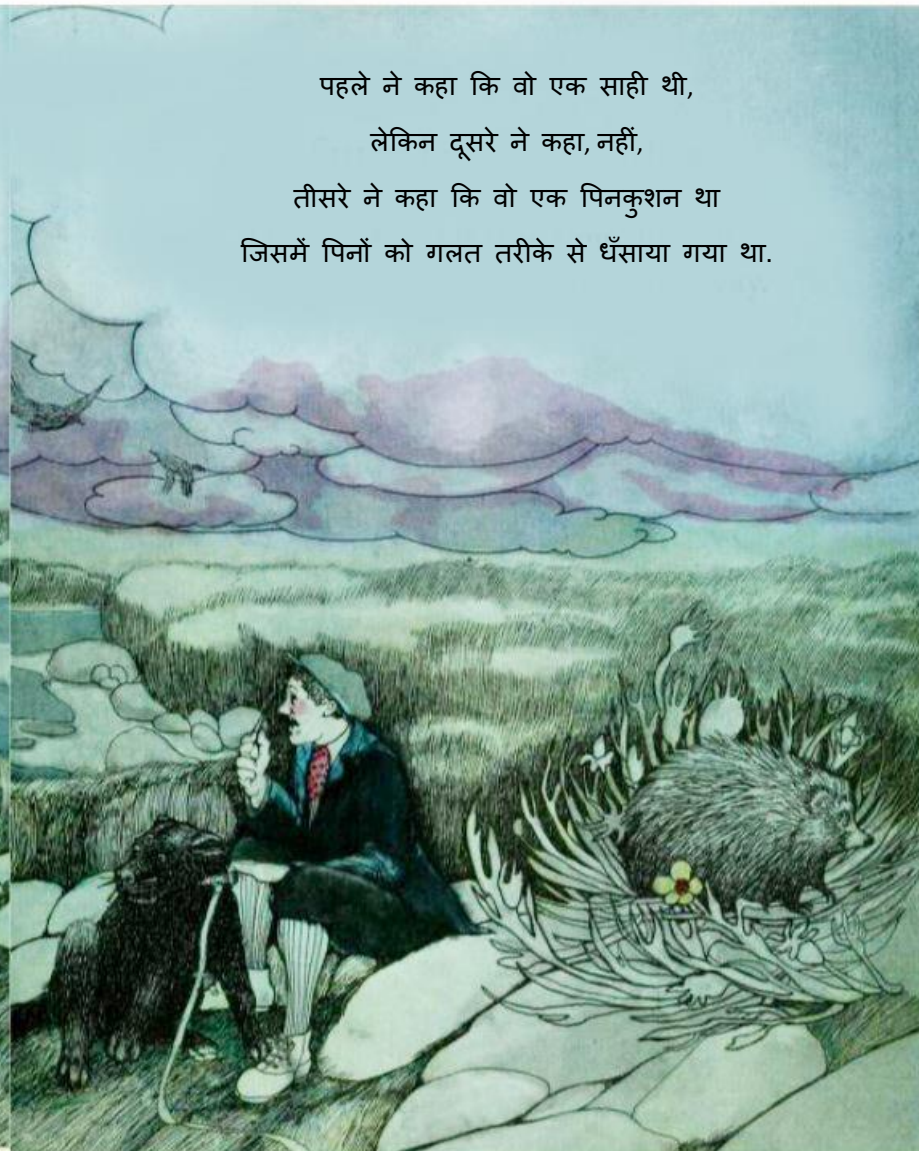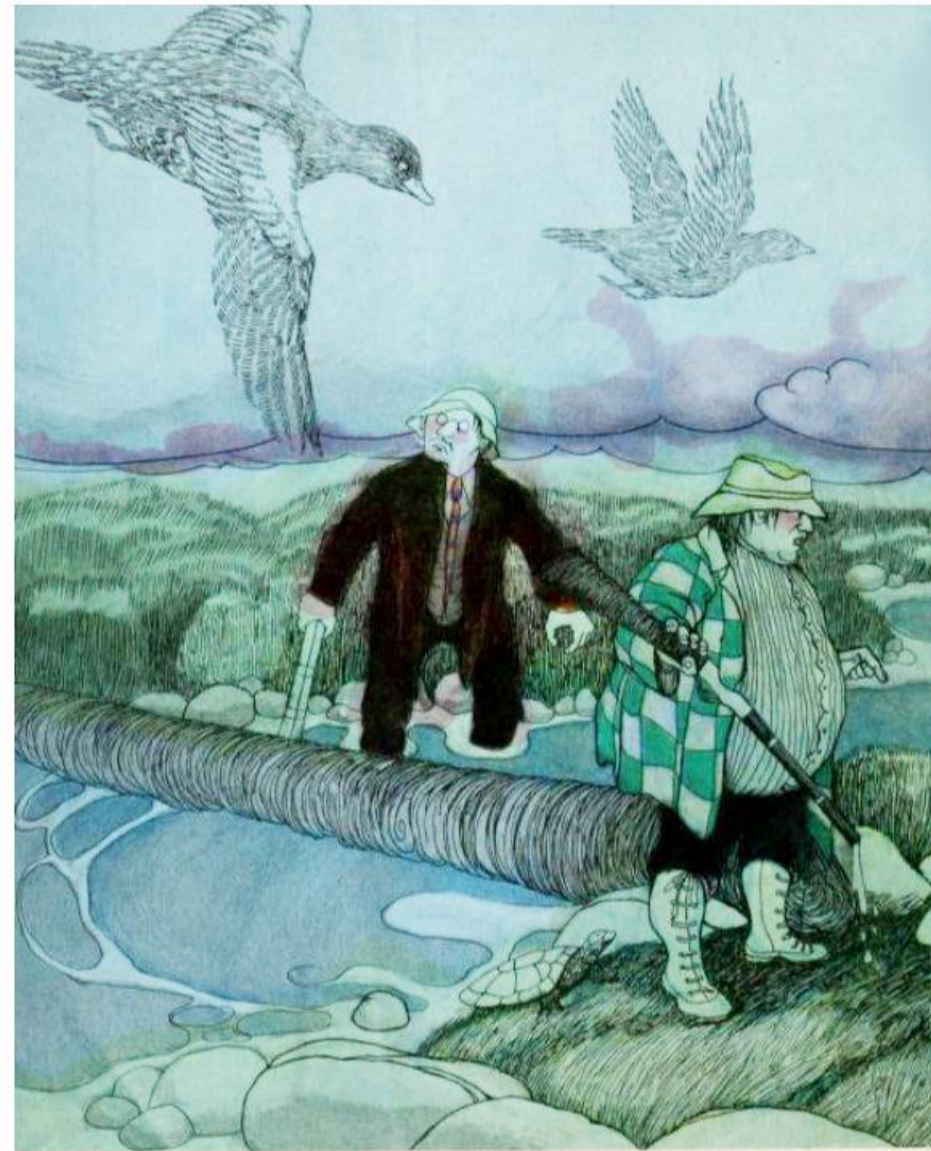
फिर सारी रात उन्होंने शिकार किया,

लेकिन उन्हें कुछ भी नहीं मिला,

अंत में उन्हें शलजम के खेत में एक खरगोश दिखा,
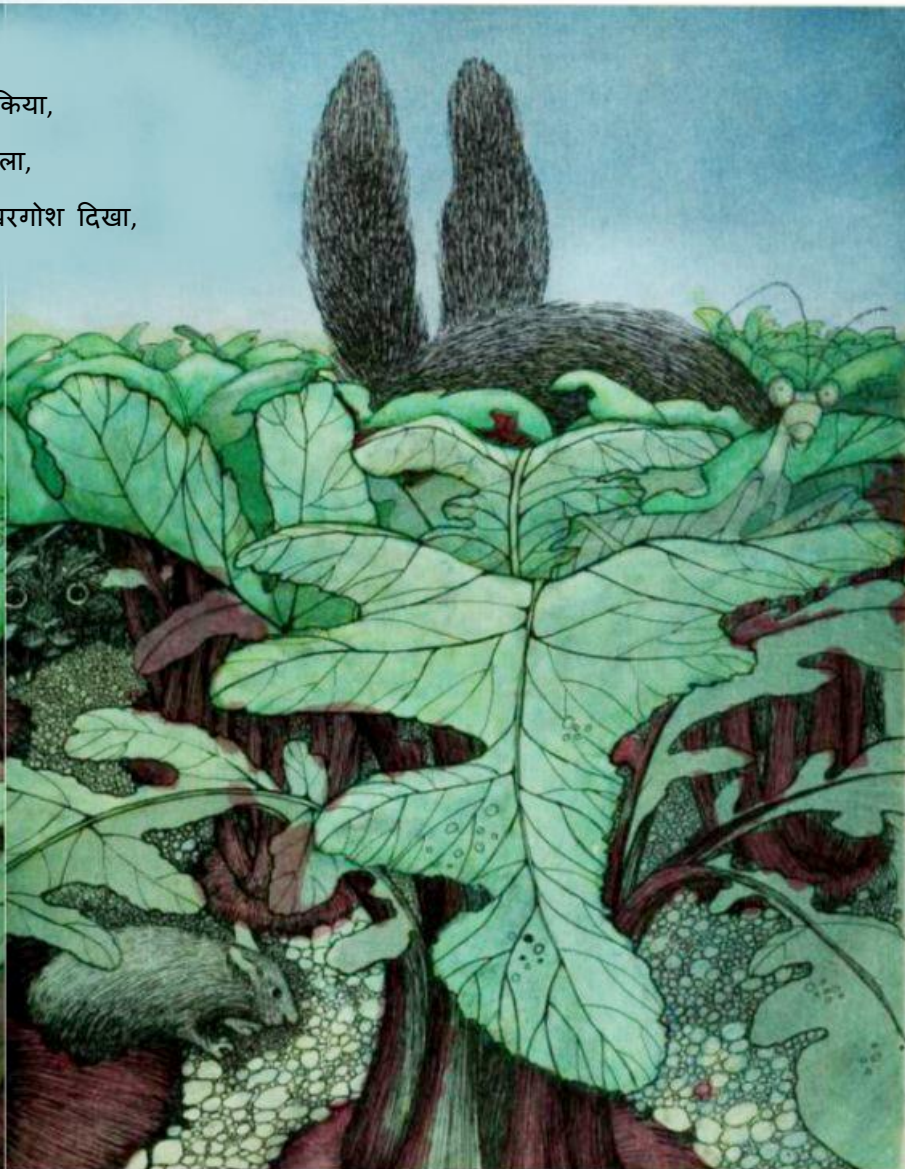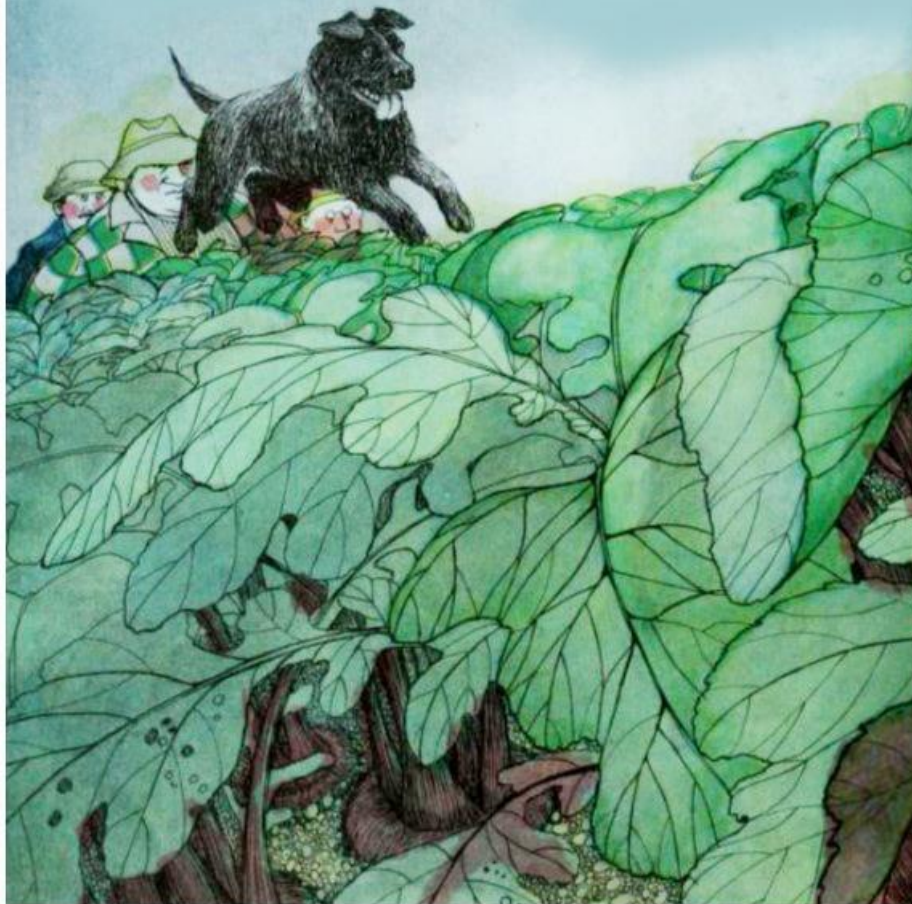
लेकिन उन्होंने उसे पीछे छोड़ दिया.

कभी तीन खुशमिज़ाज़ शिकारी थे.
ऐसा मैंने लोगों को कहते हुए सुना है,
वे शिकार करने निकले
सैंट डेविड वाले दिन.